

सि व वदि १३ रु सु वी य मि ध य का दि च ह ले ॥ लि षी न का थ का हा न य
व जा वा य मू नि कु सु ति न वी य ॥ १ ॥ दान प न न पा ल म ॥ २ ॥ स र
ध् पा नि म हा ग व या वि स र द या वा वि क या सि रा का व य प्र वा ऊ न थ
अ वि उ उ त् य ति रु या अ थ अ न्ना म स पू जा य ति हा ३ न रो न का न
ता याः श्री ३ ह व ऊ ने वा स्मा या न इ ह व पा थ स ६ १ ना व श दि १ के

नामधर्मवि॥ ॥मधुसूदनमहामनिकर्तृकशक्तिनेपुर्वदिदह
 दंजंविदिपं२अपन॥महायनिउरुनक्रुयुवनेयवदमेपचुठि
 नव्यापियाला॥कि॥नमपचनुहुविश्वेग्रीमिताविचोहिन
 विश्वरुनयंचमनति२अष्टदियाननावहंगीकिनमानसा
 हनंशुल्यमिमिचनधावचय॥ ॥आमवदमसया
 उपद्विपचाउ॥द्विपविजातुधानं२स्वसनचाउपचउ

विदिगातुवनचाउपद्विपग्रीश्वसुपचगु॥ ॥दिनद
 प्रप्राचियनचनधिनयाचियसफत्रष्टादचचंवियाज
 २अष्टचयचलाउदिवियगायकाचका॥मनिकुचनिधि
 निषिलवदयंमि॥ ॥गुचचलनगिडावसारुगमीय
 निरावनामनकुसुमउद्देकायविसंरुलिपूजा२पनडा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

पवित्रावधिसकपप्रविपूत्रितरुवजवनिधिसंगनवत्तसहु
उमं॥ ॥ **नागागंधारयविः** ॥ **गामकूदहनपक्कज्ञानत्त**
वपे २ पक्कमिनवसपंक्कआविपूजिया॥ ६ ॥ **हुक्काद्वी**
वनिवायंतिरुवनविवा २ विवमवायंनकसमयाज्ञानहु ॥
विचंविमभवत्तसहजाशानइ २ कवंकमवासा नहदयाश

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

नइ ॥ ॥ **पक्कवूद्धपक्कस्संधस्ववपे २ दवास्सन्नवप**
मदिनहदया ॥ ॥ **उंशोहंतिस्संधनकवित्थ २**
मवृष्टाधानिविचमाज्ञानइ ॥ ॥ **नागापथमंआ**
वि ॥ अनिवन्नवजवकाहोमासमवमधुलववा
या २ वजपंकेवसन्नजालसंपदिहदिमवमधुलव

कृत्वा या ॥ ६ ॥ अमन्त्रकृत्वा यिया अन्यकृत्वा अत्रीग
 नहं नृशकृत्वा यिया २ वज्रवा वाहि शालिंशु संवत्त क
 न यिया ॥ ॥ अहि संवित्रं विद्यध्वनः अहिं अहिं न
 हिं नहिं अरु अमसाने २ अरु न सर्वदेव वज्रपादस
 दनी मिलंति रुयनसंहा व ॥ ॥ अरु वन पुक्ता प्रकु

वा यसरु वा अरु वन पुक्ता प्रकु विनं वीना २ विनी
 पुवननं अनात सं प्रसादिल रुतिं हु उ य का का वा ॥
 ॥ अहि निमनगु व वा वं पुवां हु व अदि हु ल ला व अ ला व
 २ अ व म म व न रु य व ध न अदि हु व रु य मा न रु ति
 य स हा व ॥ ॥ **जागनाद** ॥ व क व व न नि नि वा य

अरु वन पुक्ता प्रकु

नमो नमि २ रुखा गदसह ऊप्रहवधकिवन्य ॥ ध्र ॥ पुह
 द्वाद विवात्रनिमहासामकिद वि २ ऊग वपुमादि वमय नसनाह ॥
 ॥ आगमव्यादयु नानवर्षाने २ ऊगधवमदि क्तागुत्र उय
 दस ॥ ॥ यच्छ्रवध सावत्रय ऊगु २ सयात्र ऊगीनिमा
 मं ह नू उं उह नू उं ॥ ॥ स गण नू च वन सी वंग न ध वि

या २ रुन श्री वां क व ऊ स ना स व नू य ॥ ॥ वाग
 व वि ॥ नमः हं रुका वून नू प ध व २ स्व रु विसत्त्व उजा
 ध व ॥ ध्र ॥ नना हं २ नना हं हं नना न न हं हं हं ॥ ॥
 हं दा शालिंग म ऊग ध व २ व ऊ घं ४ मू द्रा ध व ॥ ॥
 ध व न स सं खून ध व २ स व द स सा हि य व द्र म व ॥

६८१

नमो नमि
 २ रुखा गदसह
 ऊप्रहवधकिवन्य

विष्णु

६

॥ मायादहलिनजंगुलि २ साहियकनूक्षसखमई ॥

॥ नाशः भृंगालमानः ॥ प्रिवक्रवविसमिधुनमाभं
यितिशानदमृन्निधना २ वज्रवा नाहिशालिगनस
खमना नानाश्रीयस्मिमहोकावा ॥ ६ ॥ ननाहं २ नना
ननहं २ ॥ ॥ निवयधुचकुवकप्रतिमस्वनिनयु

यवमात्रानदमृन्निधना २ विभ्ववज्ररुद्धवद्रजटाम
कूटधामिहाडाज्जरवनससारिता ॥ ॥ वज्रघष्ठा
अवर्मठमृन्निधना २ विवमात्रानदमृन्निधना २ कन
निकपावप्रवभपाभयीभुवयुक्तभीयधोयियाघुवर्म
कहिव्यस्थिता ॥ ॥ दिगंविदिगंकाकासादिजमदा

राजाशेन

किनिदवि सहजा नानद मन्तिधवा २ न मामि २ श्रीवकु
 संवयै नाया सनगुन् चनधना नाधिता ॥ ॥ **नागाः**
हा ॥ हाद्राशरुलन क्रियायिल सम्वज्ज नयिकं वा नि
 प्रेवासा २ कुलवानं ल्यम छिया म्सा नम कटका ॥ दिशं व
 या ॥ ५ ॥ नयेयमा नू सन्धन नाया समन मुदुनिमा न

को यो २ ह म वि वाहिनि वज्र वा नाहि रुजमहिमा नसाया
 ॥ ॥ सा निशयने वन म ह म यने कर्पूल रुद्र नं वी
 या २ गगन नि वा वन वं दि य मा ज म नू स गुल रु वलि ना
 ॥ ॥ उयध उख न युं द्वा दिं ग य स म्ब न य यि स यि स
 स्थ रु का ना २ ह म वि वाहिनि वज्र वा नाहि रुद्रा वि न

दधमि श्रं धा ना ॥

॥ गणेशोक्ति निवा वरुण कलिया उज

सुमगु नूच वन ज्ञाना ध्व २ समया ज्ञान दुरु लिग्य वंम

सर्वजः
लेख्यं धा ना हि ॥

॥ १ गणेशः कुरु हि ॥ विहं जरा ययि ज्ञा

मी नी देह क बादि र क म र क वि न घट ख द न डि व यी ॥ ५ ॥

मी नी उ क वि नू ख व न क न जी डायि र नी ग म र व वि या य क म र

मंयि आयि ॥

॥ ३ यः ऊ जी मी धी लेख न जायि र म नि कूल

कारु या ले अदि या न समा ने ॥ २ ॥ सा स रु घ न धी र कं वि यु

नू ने र व नु स र्थ इ यि य क न र वा ड ॥ ३ ॥ र न यि ग व ज्ञा

रु मी कं इ नू वी ग र न व य ना वि मा भे ड र घ न उ वी ॥ ४ ॥

॥ २ गणेशः कुरु हि ॥ वि वि हं वि रु नू च मा र वि म नि

वदन्त्यरेदवास्वगनतुवनरुदुक्कवृथा॥ ६॥ नावयिष्येन
मामिजीसम्बन्धीया २ व ऊ योगिणी गजोक्तिरेमावसमंगलाया॥
॥ व ऊ वा गहिनालिंगन कंथ २ कृति संविद्वीलेख्यस
म्बलमनुजा॥ ॥ गवकुरुनविम्बमासमूर ऊर्क रकवृथ
नूनशायनशोयनरिष्मर्क॥ ॥ कादसतुऊटलियावावि

उडिगा ११

प्रमुत्तपस्वयि॥ ॥ ५०० ॥ ॥ रागा रागा ॥ उडिता न वलेया
 पवन इतार अं न रु काम के कास वरुता॥ वै ॥ धी व इ ह्य वरु
 वधि नि सं त रि ता र न्द्र व य नि वं रु न मी ऊ वं रु ता॥ ॥ दिन
 क र म धु ल म ध्वा गा ता र क र धा मृ त व स रु ता॥ ॥ द ग्ध्रा रा वि
 ग न र य य ति नि हं ता र द वा सू व न लो नि यं न मृ ता॥ ॥ ग

सर्वविद्यायाः

[illegible]

तिरवनागा उर्ध्वपुत्रः इत्युक्तं वायावि इति किं च नारयिष्ठित
 त्रधरा कं कवनयनाः वैवि संया ना गारुह सुवना ॥ ॥ माध
 वमाया पूरं २२ वृक्षोऽपि मावादि पाद गारु वना रमम वस
 माया नागविमोहाः हानवायसुमहित देहा ॥ ॥ चला जार
 वना पुकावित मोविः कयू वना पू वमूनं मूनं का ना र सु वन मध

अथ निनि १३

गवन्दित वरना गायसुवा सुव २२ वरवि वा ॥ ॥ ६०३ ॥
 नाग ॥ कामा ॥ त्रवनि निदिगजा नूनिल समदेहा २ के वन गिनय
 न लिषमवदना ॥ ॥ ॥ वना हूँ हूँ वना हूँ हूँ २ हूँ हूँ हूँ जागत्रव
 लकाधनाया ॥ ॥ निविदी गयन युति ॥ तिगम (ग) २ या सध
 प्रधायि तिगुवनना ॥ ॥ रु निरुव वना ॥ २३ च उमा वा २

अ-
कालसे जाग १२

माना वेद्युद्वागमकुरु यरुव क्षी॥ ॥ विविधिवत्तमो तिलं कदः
दा २ जगत् विवादि वलरुलदायकं ॥ ॥ नागरुलुलुल
दूकालसंजाग २० निलसमश्रुतिददा २ यो काल कलसमश्रुति
काल कलनसमा कला ॥ ॥ ॥ जयकुमचल अनगमूनी खज
यासकववा वि २ जगत्तन धजगत्तया विगमहा कवलाया ॥

पञ्चाक्षर १२

अवनिनिस्त्रिवा मशानू धाववदनगुवावना २ कववा मरुवरु
कवत्रिविल विप्रहंका ॥ ॥ बुद्धरु विरुवमधवमायादयदहनः
स विवा २ दं द्युनि यो छिगत्तव व सधा कवन विप्रहंका ॥ ॥ वि
विधिवत्त रुव क्ष विरुविगदिव्य वत्तस मो वि २ जगत्तवा छिगत्त सर्वम
मास्त्रिसिद्धि वलरुलदायकं ॥ ॥ ॥ नागा का मा ॥ यद्विगत्त

कास्तयकवमूलनि०० दुनीलायसमदहा शविष्ठाङ्गुलिगसृष्टिक
 जनं नवमकृगका भावियं ॥ गनमा मिश्रयुननुविनेहवसिन्धू
 गकचली शविष्ठा नाथगिनुवनवायिग वदाति हं सनकयदी ॥
 अनकशानगिनुवनविनं सच्योत्तुखवज्रदक्ष नं शवामगर्क निद्विप
 यासधव रवा विदासनवधनकयदी ॥ ॥ गनाहालनूपुजा का
 नवा

मयलरुषिगदहा रदंष्ट्रा कवा सति यमवदना गिरुवनलायायच
 शुविना ॥ ॥ विनाधियाति सवरुयस्वर्न युतयिसावादिमाकन
 मानसा रसवननयकादिविन्दुगया रसर्वसिद्धिमाकुरु लदं ॥ ० ॥
 गगनामा ॥ ॥ विजसंरुवस्वसमदहा नववसदाति नकचक्रनक्ष
 गारदादसरुजावदवदना द्वादसवर्तु लवक्तनकुं ॥ ॥ नमा मिश्राः

॥ विजसंरुव १७

त्रिवकुम्भं मालारुय एव तय रुचो ॥ ॥ चतुर्विंशति यि ॥ ॥
 स्वर्गं च त्रिसंविन विन स्वर्गं २ च उचक्रय द क्रिनाय विवृता द विमंयू
 ग य ह लिग सिगा ॥ ॥ य ह स मंयू ग आ लि वा लि य दा वा का श्रुति
 सत्यना २ द्वादस द वि च कृ ता वा न मा मि श च क स म्भ वा ॥ ॥ स न
 गु न च न व क्षि व क्ष र्थ र न यि गि ग म्भ कृ लि व लि न्भ २ दान य गि व

मना ह र्थ स द्य म लु ल श्र आ वि गा ॥ ० ॥ वा गा ग श्र आ र वि ॥ ॥
 लय न गु म्भ म लु ल म दा स र्थ क र्थ २ द वि व ड वि वा सि नि ग व श्र न च
 का ॥ ॥ वि व यि न म दा व स र्ग म कृ द रु न २ स्व र्ग मा कृ मा र्ग स लः
 उ च्चा व क्ष र्थ ॥ ॥ व ड वा वा दि श्र वि ग म्भ ग र्ग ल २ वि नु व न द
 वा स च न च द वि ॥ ॥ द्वादस द गु श्र वि व क श्र नू र्थ व दि

त्रिदशपत्र २७

रघुपतिनोदने १८

याश्च सत्त्वनननचिगागुडि, **यश्च यथा** ॥ **यश्च यथा** ॥
लिनासर्षश्च नोयकुलदरु **यश्च यथा** ॥ **यश्च यथा** ॥
योगानि यदग्राययचिल्ले **यश्च यथा** ॥ **यश्च यथा** ॥
वनाश्च न्यनाविनासिग वायस्याविद्यादविद्यानविन्दू समजाज
नाग **कु** ॥ नमामिनिवाचमवनिनल **यश्च यथा** ॥ **यश्च यथा** ॥

संयायिगाश्च सवद्वन्दुसमयतेजयकासिगजलजचन्दुसमयायि
गाग **यश्च यथा** ॥ **यश्च यथा** ॥
शनिर्मलह **यश्च यथा** ॥ **यश्च यथा** ॥
आनन्दययमानन्द विलमासदुत्तरुवानन्द **यश्च यथा** ॥ **यश्च यथा** ॥
विद्यासवन्नकादिनेमस्तस्यगुगनसम्यदयायिगा ॥ ॥

गणेशाय नमः

द्ववज्जकालचक्राचक्रसम्पन्नजनककागिसिद्धायावगगा २५
द्वगज्जिथानयूक्तगानिजावचनयुगुमसन्नवज्जानद्व ॥ ० ॥
नमस्तस्मै ॥ वदित्तुनर्कधित्तुवक्त्रमयलक्षयित्तुवक्त्रमयलक्ष
नमित्तमानाश्चित्तचक्रावचित्तलक्षयित्तुवक्त्रमयलक्षयित्तुवक्त्रमयलक्ष
वचित्तलक्षयित्तुवक्त्रमयलक्षयित्तुवक्त्रमयलक्षयित्तुवक्त्रमयलक्ष

२६ विवि ३३

द्विनिमना वलविनासयिकयीस्य २८ अथ राजा हसलुलनाया ॥ ६ ॥
हर्जकालरुमनः जगत्सिवा सिधाल ॥ ॥ क सर्वनाथागना साने सर्वः
नाथागना नय सर्वधर्मागनिनासं २ समलुनमर्कम ॥ ॥ ७ ॥
मिय २ निर्वजन २ स्य २ सहजसु विनायाः जिनरु नययि स्य ॥
॥ सा नि धर्मागसं नु गं लान न च विध्वधर्कः समन रुडा का

२७ अने ३७

यार्थः राजवमलुलमर्कम ॥ ॥ ८ ॥ अथ उजागिनि नलमयमला २
वजवावा हिना विगनकाल ॥ ॥ सर्ववक्रनसपरुः सर्वाचक्रः
नः विर्वजयः समन रुडा वा नार्थ धावमलुल सायधि ॥ ॥ ९ ॥ अथ
रजाक्षक वनक वा नि २ जयं जयं नि नावर्क वा ॥ १० ॥ **नामः**
ललि ॥ अनूगन नथ नावकालरावा लरुनूयविगिगः

विविक्तकनसं २ उं ४ आर्द्रकालवजामृष्टमूदकं सफस
धिरं खनामृत्तयं ॥ ६ ॥ चङ्गामृगलस वाधिरुसदायकं
सर्वदिनव्यापितं सङ्गकनमञ्जगगमचस्य द्विगं ॥ ७ ॥
न्यकच नारवं ससालनाभन विचक्रुर्नृपं ॥ ९ ॥ वजपचमा
नूमय गन्धसंज्ञकं सवम्भधिविषं पंचयूष २ द्रुं काल

मगुष्टमगवद्धं वजसथापितं विचार्दकलभं ॥ २ ॥
घटमखननसफ नृपराव जाहर्क मणकि निरुननृपं २
मनिति साधनन देज गाचर्क रानसत्वमानियद्रुदिङ्कि
ननं ॥ ३ ॥ पाद्याही आचमनं दानपूलसल समयाचक्र
प्रवसितं विवेदकनसं २ महावागद्विरुषं वाधिविगल

निर्माणो नादि वृत्त ३८

यसम्यासत्य ह्यानसत्त्वचक्रकारुणं ॥ ॥ ६०३ ॥
नागः रत्नवि ॥ निर्माणो नादि वृत्त म (धारागकस्तसंप्रचामृगस्यपू
निवा २ रुद्रमयुरिस् पंचयनवनिनयभवनजभनमिथापिः
गा ॥ ५ ॥ ॥ ६२ कचद्व ४ वजा मनु विन्या भटकमवजिः
सरुगपक्षस्वनूपि २ वज्रसथा रि मनु प्रनियूर्ह दगुनारसम

उक्तव नमि सवहनना ॥ १ ॥ पूर्वद्वनगगपक्ष ३ नसत्रौ जिग
यचविंभ निरु दिगव रु कार्य २ द जिग द नगग व रु व स आ
नूपनि रु व सम न स्वयाय विदि ॥ २ ॥ पत्रिम द न ग न भव भवः
रिग ध व न न सिद्धि न स रु जिगा २ उग न द न ग ग द ग गा घा व ना
दिग हान भव नूपि नि विस्व ज न निरा ३ ॥ न्रन्या म्ब दि द न ग

हं प्रदी ॥ ३

२ वि हि गो य न ३२

न ह्यनभ्यस्य जयिना नूनं मवर्धन जथा पिना २ पूष्य निष्वा सि
न विधमन जिना पुनमा मिव ड सत्व सिल सार्धना ॥ ४ ॥ ६०३ ॥ वागः वा
विनी प्राय न च पुन न पय विहाना २ कन दू पति थाम स पु च हा
मे ॥ ५ ॥ हाम क लि यिया डू डू न हि च उमाना २ वाग धव माहः
वदिन द्या दियानु वाम दहि न कन स न व ०० पु ॥ २ जान यिव जा

२ क गो य ३

नव ज्ञाद्र गिविना ॥ २ ॥ पुहा घ ० उय पु न वजा २ न वि स मि च
उया ज्वा र्या वर्य र्द ॥ ३ ॥ क ० ० वा व क न रु रु न हाम २ पः
ठप वन घन चिय क सा ॥ ४ ॥ ६०३ ॥ वाग ती दि ॥ क मा यि ने धि
य वी नाम म निले कन का ना २ घन क यि थि य हा यि व रु थि क नू ध क्रिया
यिन गो वा ॥ ५ ॥ म न यं जं रु रु नू व रु शी दि दि मा ना हि न व रु थि रा ॥

तहितनूखाऊनगाधमयनायिकुचिनयाधिरहावेकातेऊनयासिइ
इरवऊनयाधि॥ ॥ चउसमकस्तुनिसिज्ञाकर्षनवावनयाधि
रमलपंऊयिधनसानिकऊयतहितनूखाऊनयाधि॥ ॥ पुष्पनऊ
उकनंतं गुहागुहनमूध०० रनिलंमहत्रगचक्रावयिथातहिऊस
पानयाशी॥ ॥ ६००॥ **ह्यागाः यावलि**॥ सर्ववृद्धविवधमनुतादि

शुमानऊदनिरवऊजानीमनितकावेथलसिगुिचोचनि॥ ६॥ नना
मिवाळलिसिद्धिऊगिनिगनमदितारचूयनिधिसर्वसिद्धिऊगिनिगव
मदिता॥ ॥ त्राहितमधुलत्यऊसमनसदियमात्रासूयिन्वचारच
किरूधुलकविलोचकमेखवाविउषिता॥ ॥ कर्हिखत्यवमान
ऊदनीमकूटकमदिगंववाश्चधुमाशखलांगमदिताजोलाऊका

२४८ श्रीगि ४२

२ निर्मोनादि ४३

शानादभूयि रसमी वपलित रतिनाई मामिनी न रनी वंस्तो यम
कलयन्ति ॥ ५६ ॥ ॐ नमामि देवी श्री वरुह विनासिनी तिलय रुच
नख समान देवी रजदिया नष्ट रूगी वि काम रूप श्री रुत सुविशु
ईम धुलनित्य यन्ति ॥ ॥ वरुह लसनी वरुह लधर्म यकुषा उत द
लसम्भाग च कुं रजाणि मत दच कमलमहा लस्य च कुं का वरुप श्री

किमप्यनया निबद्धं पूर्यंतं रजिमऊननीवज्जयागिनी ॥ ॥ ऊयं
 रहाजालनसुसासारकवर्हिकपालसत्वांगधारी ॥ ॥ ऊयं
 रबोडबोडसमाना नीलरणीवबोडनवसिबमाया ॥ ॥ ऊयं
 गोषरुऊगतसंसाधेरपुनमामि श्रद्धयसंवाहलि ॥ ॥ ५० ॥
 रनागः मालिनी ॥ वज्जयागिनी हृदयगोपारविशुवननाथरुहिमेषा

रवज्जयागिनी ४५

हा ॥ ५ ॥ पिवयिभमहावसमहास्रवकुविशारवऊदेवीरुलिया
 अनूहं वहाये ॥ ॥ उर्ध्वनाभीविद्वकमलसंकागरदहिविवास
 शिषुवनसंरुदयि ॥ ॥ उंऊयिभयं वमहास्रवकुविशारयं वसि
 लसिविऊवावनि ॥ ॥ मतगुर्वचनपुसादचतुस्तसिषेकर
 पाहस्यविसंसातसमूडा ॥ ॥ ५१ ॥ रनागः मालिनी ॥ वज्जयागिनी

वेतात्रि चन्द्राविद्वीरसिंधिनिष्ठाधिनिर्जन्मकडवंकिनि॥ ५५ ॥
 नमामि श्री यागां वल्लयिरुने स्ववि २ गिनिन्यतुद्वीति उवनययिस्व
 ॥ ॥ पूर्व उरु वयदि मरुकिनदिगंद्वीरजकिनिधिनिचउ
 सिकवोऊनि॥ ॥ चउरदिगंडुमरुलनउद्वीरगिन्यतुद्वी
 नाचयिद्वी॥ ॥ रुविहववुक्ताः उरुवगमने २ पाउसजागी

नीसमवस्तुलाव्या॥ ॥ ६९२ ॥ २३३ ॥ २३४ ॥ अतसिद्धस्तमयुति
 दुरुपलासगा २ विविधि नत्तमतिमरुद्विउषिता॥ ५६ ॥ नाचयि
 श्री २ चलवीनारतनाचउआनन्दविनासयिअवना॥ ॥ जानउ
 तुरुवविम्वस्तुजादर्मना २ प्रहाजालिगनअद्वयमरुलरुं॥ ॥
 विनागचन्दयुतिरुवरुयंकया २ तस्यनिरुक्तखरुतऊनिपास॥

यावे २ वं दात्रा लिंगन म्द्वय संलावे नाचयिदा न श्रीसंमत्त वाया ॥

॥ कूलिसय छ गऊ चर्म त्रिस्तुवा कर्हि रम ब्रह्म हितो २ मङ्गल
वित्त कया नख लांग पास यव स्र बुक्क सिधे धवा ॥ ॥ पंच दिन व
मम कृत आये रुतरवत् मूडा आरु वन विगुषिता २ शालिका विहः
यि आविध चाययि वा पुचर्म निवा मन कुरु मन् ॥ ॥ नवसि

२ अथो ५१

यमा बाल म् श्रीसंमत्त वादि यव कृति निक बूध ह दया २ ऊना ऊन मी
बूठं रुपाय सव नागा वंति यव मादि वड गीता ॥ ॥ ६७ ॥ वा
गः ७७ वि ॥ अयं वा सु विहू अघ वनि २ सय व स्र वा स्र व ड गत उध
वि ॥ ६८ ॥ तं र ग व ति पा इ म ल म हि म धु ल नो प ल म न २ काला २
हा ज रु व न विगुषिता मख न य छ उल्ला नी र ति सि ति ध यं नि ति धि

नयना ॥ ॥ कवल्लिषट्पत्रगीव्यचूडनसिन्धुमागोरुखिखरवत्सा
 गवचमकूतकंभा ॥ ॥ सिन्धुसिन्धुवगागकंऊवस्त्रुवाकसु
 विकर्पनताम्बुचस्त्रवसा ॥ ॥ रुनयिस्त्रुवतवडवाहुविदासा
 रणीवडदवीपुगादवीहूअपाया ॥ ॥ ६०३ ॥ **रागः धनाधी** ॥
 सर्वाकारनामहास्त्रवडविद्यावडआनन्ददहारगिउवनस्त्रुवायम

हास्त्रवगायाचन्द्रसूर्यइयिमविद्या ॥ ५ ॥ नपायलिनानपृथ्वि
 आरगिउवनकुक्कुटियिरसर्वविकल्पाविधंसनिदवीअनूत्तम
 नववदयनि ॥ ॥ अमृतारमधुलजदियावस्थितिकल्यानपत्र
 यधामिरकवल्लिकपालखलांगधामिपुहाहानववदहा ॥ ॥
 दिगंवचमकूतकसिन्धुकिरुधुलकसिन्धुविरलाचकमेयलाया

यवधविगीयनूदनवमिलमाला॥ ॥ सर्वतथागतऊ। ननिद
 वीविबहिन लवत्रलावारधीवऊऊगीनी चवनसिअगतामाव
 निसमयसवजा॥ ॥ ५०॥ ॥ २॥ **नागः नान** ॥ सकन पुवनगुपूवऊ
 सत्वस्वयंरसवीचंकावपूरूमधुलसमूरुव॥ ५॥ ॥ इवीगीव
 पदसिमीरुकवास्वरुहंरअनेनवीदितानाथविऊमूत्यनं॥ ॥

अहाविस्मयाधर्म अहाविस्मयावावि २ अहाविस्मयागुफिबहा
 सोष्यसंरुव॥ ॥ अहासमनरुजाथअहास्वरुतसंगमंरअहा
 स्वरुमहागुडमहाकूचस्वरुवावहं॥ ॥ अहावायसमाहक
 अहागीतस्वर्निमयंरअहावायाहिसंरुगमहातावसमावहं॥ ५॥
 ॥ **तिवजागीतंसमाफ** ॥ ॥ गुरुसंवत् १५० मिमाग्री